एकटा अभागल नोकरनी

दुखनी सुन्दर पहाड सँ घेरल दुर्गम गाम मे रह वाली एक जवान स्त्री छल । बहुत वर्ष तक विदेश आ दोसर गामक लोकसभ दुखनीक गामक परोपट्टामे भ्रमण करक लेल अनुमति नहि पौने छल । ताहि सँ दुखनीक गामक लोक सभ, और गामक लोक सभ सँ भिन्न छल आ एहि गामक लोकसभ अपने चालि-चलन के विकास केने छल और ई चालि-चलन (रीतिरिवाज) सँ ओ सभ एकदम गौरवान्वित छल।

दुखनी गामक मुखिया, जे एक आदरणीय धार्मिक पुरोहित छलाह तिनकर सेवा करैत छल । मुखिया दुखनी सँ नहि नीक व्यवहार करैत छलाह । मुखिया कहैत छलाह जे दुखनी सँ एहन कठोर व्यवहार करबाक कारण ओ जाहि परमेश्वरके सेवा करैत छथि वैह तरीका दुखनीके सिखाबक लेल छल । गाममे बहुत मालिक स भ छल आ ओ सभ केओ कठोर छल । ओ सभ अपन निर्देशनके पूर्ण रुपमे पालन होयबाक माँग करैत छल । हरेक व्यक्ति के देल गेल काज ठीक तरीका सँ आ ठीक समय मे होयबाक छल । स्थापित भेल नियम सम्बन्धित बात सँ कुनो व्यक्ति त कि बच्चा सभ सेहो अलग नहि रहि सकैत छल । विशेष दिन सभमे नोकरनी सभ रंगी-चंगी वस्त्र पहिरैत छल आ श्रृगांर करैत छल । ओ सभ अपन मालिक लग अबैत छल आ शिर झुकबैत अपना मालिक सँ अपना प्रति दयालु होयबाक लेल सांकेतिक रुपमे अपना मालिक सभक लेल खायवला चीज सभ आनि कऽ बडा सम्मानक संग हुनका सभके दैत छल । एहन समयमे शासक लोकनि नोकर सभक द्वारा आनल गेल उपहार सभ स्वीकार कऽ आनन्दित होइत हर्षोउल्लास मनबैत छलथि ।

एना होइतो दोसर दिन मालिकसभ फेर बेसी काज आ आज्ञा पालन के माँग करैत कठोर शैली में अपनबैत छल । ओकर सभक कुनो प्रकारक असफलताक लेल मालिकसभ कठोर सजाय दैत छल । लोकसभ मालिक सभक डरमे रहैत छल । एकर बावजूदो नोकर-नोकरनीसभ शिकायत नहि करैत छल । ओ सभ विश्वास केने छल जे संसार मे सभ मालिक सभकैं अपन बलि चढबैत प्रत्येक मनुष्य सभकैं कुनो प्रकारक बहस वा शिकायत नहि कऽ कऽ अपन काज करबाक अछि ।

की सभ मालिकसभ ओकर अपने मालिक जकाँ होइत अछि ? एकर बारे मे सोचि कऽ दुखनी आश्चर्य मानैत छल । सभ लोक ओकरे जकाँ पीडीत होबऽ पडला सँ की होयतैक कहि कऽ ओ आश्चर्य मानैत छल । एक दिन दुखनी ऊपर पहाड और आकाश सभ के देखि रहल छल आ ओ अपन मन मे कहलक जे ई पहाड सभ सुन्दर अछि तारा सभ टहटह चम्कैत अछि । एकर सभक बनावट एकदमे महान अछि । एकटा एकदमे महान शासक मात्र एहन जटिल सुन्दरताक रचना

कऽ सकैत छथि । ओहन प्रकारक महान शासक कठोर नहि होयत होयताह बल्कि दयालु आ प्रेमी होयत होयताह । कोन शासक ई सुन्दर रचना केने हेताह जाहि सँ हुनकर महानता आ प्रेम के बुझि सकितहुँ । ई शासक सभ औरो शासक सभ सँ ऊपर छथि किएक त ओ सभ चीज के बनेने छथि । हम ओहन शासक कैँ चिन्ह चाहैत छी कहि कऽ दुखनी अपन मनमे सोचलक । हालेसालमे औरो गामक लोक सभ दुखनी के गाम मे आबऽ शुरु केने छल । दुखनी हुनका सभके और हुनका सभक शैली कैँ अवलोकन केलक, जे ओकर अपन गामक शैली सँ एकदमे भिन्न छल । प्राय: एक गामक शैली दोसर गाम सँ एकदम भिन्न होइत छल ।

दुखनी ई जानऽ चाहैत छल जे ओ सभ एहन अजीब तरीका सभ कतऽ सँ सिखलक ? भ्रमण केनिहार किछु लोक सभ कहलक जे ओ सभ एहन जीवन शैली पहाड सभक बीचक उपत्यका मे सिखलक । औरो लोकसभ कहलक जे ओ सभ एहन शैली समुद्र के किनार मे सिखलक तँ औरो किछु लोक दुखनी के कहलक जे ओ सभ ओहन जीवन शैली समुद्रक पार दोसर कुनो गाम मे सिखलक । दैनिक रुपमे करऽ वला अपन काज औरो विभिन्न तरीका सँ कयल जा सकैत अछि, से बुझि कऽ दुखनी आश्चर्य मे पडि गेल । ओ कहियो उपत्यका वा समुन्द्र सभक बारेमे नहि सुनने छल ।

दुखनी भ्रमण कर आबवला लोक सभके बहुत प्रश्न पुछब शुरु केलक । ओ ओकरा सभ सँ ओकर सभक मालिक सभक बारेमे पुछलक । बहुतो लोक सभ कहलक जे ओकर सभक मालिक कठोर अछि । ई मालिक सभ नियमक पालन कठोर रुपमे पालन भेल चाहैत छल । ई लोकसभ एहन मालिक सभके डरमे जीबैत छल । मुदा किछु लोकसभ कहलक जे ओकर सभक मालिक एकदमे दयालु छथि । ई सुनि कऽ दुखनी अपन समस्या सभ आ आवश्यकता सभ बुझ लागल । ई लोकसभ अपना मालिक कैँ प्रेम करैत छल । ओ सभ इहो देखने छल जे ओकर सभक मालिक हरेक व्यक्ति कैँ बचाबक लेल अपन जीवन देलन्हि । प्रत्येक लोक ई अनुभव केने छल जे ओकर सभक बोझ एकदमे भारी अछि । ओ मालिक ओकर सभक बोझ लकऽ अपने उघने छलाह । दुर्भाग्यवश ई बोझ मालिको के लेल बहुत भारी भेल जे हुनका दबा कऽ मृत्यु मे पहुँचयलक । मुदा वास्तवमे एकटा चमत्कार भेल जे ओ बोझ अलप भेल आ मालिक फेर जीबि उठलाह । ई दृश्य देखि कऽ ओ सभ गोटे आनन्दित भेल छल आ ओ सभ मालिकक अनुग्रह वा कृपा और शक्ति मे विश्वास केने छल ।

वैह समयकाल सँ ई लोक सभ अपन सम्पूर्ण जीवनक लेल अपना मालिक पर भरोसा केने छल । ओ जे कहैत छलाह से ई लोक सभ करैत छल किएक त ओकरा सभ प्रति हुनकर महान प्रेमक बारे ओकरा सभके बुझल छल । ओना त ओ ओकर सभक बोझ लऽ कऽ अपने ऊपर उठबऽ चाहैत छलाह आ ओकरा सभके मृत्यु के मुँह सँ बचाबऽ चाहैत छलाह । ओ सभ जाहि व्यक्ति के बारे मे कहैत छल तिनकर नाम यीशु मसीह अछि ।

दुखनी एकदमे अद्‌भुत बातक बारेमे बुझि लेलक । ई सभ लोक जे सभ एहन प्रेम पयने छल से सभ एके परिवार भऽ गेल छल । दुखनी ओकरा सभकेँ पूछलक जे ओकर सभक मालिक के छथि ? ओ सभ गोटे कहलक जे हमर सभक मालिक यीशु मसीह छथि । ओ सभ दुखनी केँ इहो कहलक जे ओ मालिक दुखनी केँ सेहो ओहि परिवार मे स्वागत करैत छथि जकरा ओ अपन परिवार कहैत छथि । दुखनी केँ ओहि परिवार मे शामिल होबक लेल अपन चालि-चलन अथवा ओकर एखुनका परिवार केँ त्याग नहि करऽ पडितैक । मात्र अपन बोझ यीशु केँ देबक छलैक आ ओकर हृदय मे हुनका शासन कर देबाक छलैक । दुखनी हर्षविभोर भऽ गेल छल । ओ खुशी पुर्वक अपन परिवार मे स्वागत केलन्हि । तुरन्ते दुखनी ई अनुभव केलक जे यीशुक सहानुभूति ओकर बोझ केँ हटा देलन्हि । दुखनी ई बुझलक जे, जे मालिक सुन्दर पहाड आ आकाश सभक सृष्टि केने छलाह से वास्तवमे प्रेमी आ दयालु मालिक छथि । दुखनी तकर बाद कहियो अपना केँ अभागी नहि बुझलक बल्कि सब चीज सभक वास्तविक मालिक केँ चिन्हला सँ सचमे अपना के आशिषित महसुस केलक । यीशु दुखनीक नाम ***दुखनी*** सँ ***आशिष*** मे परिवर्तन कऽ देलन्हि ।

परमेश्वर केँ वचन कहैत अछि, **“जे प्रेम नहि करैत अछि से परमेश्वर केँ नहि चिन्हैत अछि कारण परमेश्वर प्रेम छथि ।”** एहि तरहेँ हमरा सभक बीचमे परमेश्वर अपन एक मात्र पुत्र केँ एहि संसार मे पठौलन्हि जाहि सँ हम सभ हुनका द्वारा जीबि सकी वा जीवन पाबऽ सकी । ई प्रेम अछि, एना नहि जे हम सभ परमेश्वर केँ प्रेम केने छलहुँ मुदा ओ हमरा सभकेँ प्रेम केने रहथि और हमर सभक पापक लेल बलिदान दऽ कऽ हुनका मे हमरा सभकेँ मिलन कराबक लेल अपन पुत्र केँ पठौलन्हि ।

प्रिय मित्र लोकनि, परमेश्वर हमरा सभ सँ एतेक बेसी प्रेम कयलाक कारणेँ हमरो सभकेँ एक दोसर सँ प्रेम करक चाही । कियोक परमेश्वर केँ एखन तक नहि देखि सकल अछि । मुदा जँ हम सभ एक दोसर सँ प्रेम करब तँ परमेश्वर हमरा सभ मैँ वास करताह आ हुनकर प्रेम द्वारा हम सभ पूर्ण भऽ जायब ।

विशेष जानकारी के लेल:
अभागल नोकरनी
GPO 8975, EPC 2937
काठमांडौ, नेपाल
E-mail: tabernacleministries2006@gmail.com